

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है, उस में सेन्ट्रल कोल फील्ड्स को छोड़ कर के उन के तमाम कोल फील्ड्स में घाटा चल रहा है। मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या इस घाटे का कारण इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स है या प्रबंधक की अक्षमता है? सरकार इंडस्ट्रियल रिलेशंस की और मैनेजमेंट को सुधारने के लिए क्या कर रही है?

श्री विक्रम महाजन : कोयले की कीमतें बढ़ने की वजह बहुत हैं जिन में एक्सप्लोसिब्स की कीमतों का बढ़ना, लेबर की छुट्टी कर देना, बिना दरखास्त के छुट्टी कर देना है। पिछले साल हम ने मजदूरों की मजदूरी बढ़ायी है और मजदूरी बढ़ाने से अलाउंसिज भी देने पड़ते हैं। आप को यह जान कर प्रसन्नता होगी कि हिन्दुस्तान में कोयले की खानों के मजदूरों को सब से ज्यादा मजदूरी दी जाती है। जैसे जैसे उनकी मजदूरी बढ़ जाती है, उसी के साथ कोयले की कीमतें भी बढ़ती चली जाती हैं। इन सब की वजह से घाटा बढ़ रहा है कोयले की खानों में।

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न है कि कहीं इन के रसातल में जाने का कारण तो नहीं है कि प्राइवेट खान मालिक मैनेजमेंट के साथ मिलकर सांठगाठ कर रहे हैं और सारा करप्शन हां रहा है इसके संबंध में आप क्या कर रहे हैं?

श्री विक्रम महाजन : अध्यक्ष महोदय, कोयले की खानों का नेशनलाइजेशन हो

चुका है और नेशनलाइजेशन के बाद कोयले का प्रोडक्शन बढ़ता जा रहा है। जहां तक इल्लीगल माइनिंग का सवाल है यह बड़ी नामिनल है और हमारी कोशिश है कि यह बिल्कुल न हो। मैनेजमेंट के साथ प्राइवेट खान मालिकों की कोई सांठगाठ नहीं है, अगर इस संबंध में माननीय सदस्य को कोई जानकारी है तो वे, दें उस की अवश्य जांच करा ली जाएगी।

#### WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

##### Price of Soda Ash

\*310. SHRI L. S. TUR:

SHRI NITYANANDA MISRA:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the price of soda ash has recorded hundred per cent increase in recent days; and

(b) if so, what steps Government have taken or propose to take in this regard?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. C. SETHI): (a) There are four manufacturers of Soda Ash in the country and their ex-works price (bulk) for different varieties of Soda Ash as on 1-4-80 and 1-9-80, as gathered from them and the percentage increase during the period 1-4-80 to 1-9-80 is as given below:—

Quality	Name of the Manufacturer	Ex-Works price (bulk) Rs./Tonne		Percentage increase
		1-4-80	1-9-80	
LIGHT	M/s Tata Chemicals, Mithapur, Gujarat.	1280.00	1580.00	23.44
	M/s Saurashtra Chemicals, Porbander Gujarat.	1450.00	1600.00	10.34
	M/s Dharangadhra Chemicals Works Ltd., Dhrangadhra	1555.00	1675.00	9
	M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., Varansi.	1850.00	2100.00	13.5
MEDIUM	M/s. Tata Chemicals	1340.00	1640.00	22.39
Dense	M/s. Tata Chemicals.	1400.00	1700.00	21.43
	M/s. Saurashtra Chemicals Ltd.	1540.00	1690.00	9.74

(b) The manufacturers' prices of Soda Ash have increased essentially on account of increases in the cost of inputs. There is no statutory control over the price and distribution of Soda Ash. However, with a view to improving the availability of Soda Ash, the following measures have been taken by the Government:

- (i) Guidelines have been issued to ensure that actual industrial consumers get at least the quantity received by them during the Calendar year 1977 when there was no shortage.
- (ii) The import of Soda Ash has been permitted to all industrial consumers under Open General Licence (OGL) with effect from 14th January, 1979. As the International price is high, the customs duty on imports has been reduced from 75% to 5% in case of dense and 35% in case of light soda ash so as to make the price of imported Soda Ash comparable with indigenous prices.
- (iii) In order to help small scale industrial units, 19,100 tonnes of Soda Ash light were imported by the State Chemicals and Pharmaceuticals Corporation of India (CPC) during the year 1979-80 and distributed mainly to small scale units and State Units both direct and through State Government Organisations. This year also it has been decided to import 20,000 tonnes of Soda Ash through CPC to supplement indigenous production.
- (iv) To protect the interest of small users like house-wives and Dhobies, the manufacturers, arrangements have been made for the supply of about 1000 tonnes of Soda Ash per month to the National Consumers' Cooperative Federation Ltd. (NCCF) for distribution throughout the country.

(v) A Standing Committee has been set up to review periodically the distribution and availability of Soda Ash.

As a result of these measures, the availability has improved considerably.

### बाल फिल्मों का निर्माण

\* 316. श्री अशोक गहलोत: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में बनाई जा रही निम्न कोटि की फिल्मों का बच्चों और जन्य लोगों के चरित्र पर होने वाले घृणित प्रभाव को रोकने के लिए बच्चों की फिल्मों और सामाजिक विषय की फिल्मों के निर्माण की किसी योजना पर विचार कर रही है ;

(ख) क्या सरकार इस प्रकार की फिल्मों को किसी सरकारी एजेंसी द्वारा बनाए जाने के किसी प्रस्ताव पर भी विचार कर रही है जो बच्चों तथा जन्य लोगों के चरित्र निर्माण में सहायक होंगी ;

(ग) यदि हां, तो उसकी क्या रूप-रेखा है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री ( श्री वसन्त साठे ) : (क) से (घ). बाल फिल्म सोसाइटी बच्चों और किशोरों आदि के लिए विशेषरूप से उपयुक्त और विशेष रुचि की फिल्में बनाती है । सरकार ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रति वर्ष 4-5 फिल्मों के निर्माण और बच्चों के लिए इतनी ही संख्या में विदेशी